काई लाया न काई लई जावंगा भजन लिरिक्स

काई लाया न काई लई जावंगा,
जसा आया न वसा चली जावंगा।bd।

दी रे विधाता न सुंदर काया,
करी लेओ भजन भाई छोड़ी न माया,
भजन करी न अपण तरी जावंगा,
जसा आया न वसा चली जावंगा।bd।

साथ नही जाय थारी महेल अटारी,
थारी म्हारी म उमर बीती गई सारी,
इनका चक्कर म अपण रई जावंगा,
जसा आया न वसा चली जावंगा।bd।

लगी गो बूढ़ापो तब पकड़ी लियो खाट,
लाई दे कोई पाणी भाई देखी रयो वाट,
पाणी माँगी माँगी मरी जावंगा,
जसा आया न वसा चली जावंगा।bd।

काई लाया न काई लई जावंगा,
जसा आया न वसा चली जावंगा।bd।

Upload By – Lalit Dhangar

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com